दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी कक्षा : 9वीं

पाठ/प्रकरण का नाम :	बच्चे काम पर जा रहे हैं : राजेश जोशी	**समयावधि :**	40 मिनट
विद्यार्थी का नाम :	----------	**पूर्णांक :**	20
अनुक्रमांक (रोलनं.) :	.....	**दिनांक :**	...../...../ .....

निर्देश:- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है| 2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें|
3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें|

	(गद्यांश/काव्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
	पठित काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1X5 =5	
	क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें क्यां दीमकों ने खा लिया है सारी रंग बिरंगी किताबों को क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं सारे मदरसों की इमारतें क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आंगन खत्म हो गए हैं एकाएक तो फिर बचा ही क्या है क्या दुनिया में?	
1.	**कवि की दृष्टि में बच्चों के लिए क्या करना आवश्यक है?** **1.** खेलना-कूदना **2.** पढ़ना **3.** खिलौने 4. चॉकलेट	1
	(क) (1) और (2)	
	(ख) 1,2, और 4	
	(ग) केवल (3)	
	(घ) केवल (1)	
2.	**एकाएक क्या नष्ट हो गया प्रतीत होता है?** **1.** विद्यालयों की इमारतें **2.** मैदान **3.** सारे बगीचे **4.** घरों के आंगन	1

egyanarchive

	(क) केवल (1)	
	(ख) 2, 3 और 4	
	(ग) केवल (3)	
	(घ) (1) और (2)	
3.	बच्चों की प्रिय वस्तुओं के बारे में कवि क्या जानना चाहता है? 1. कवि बच्चों की प्रिय वस्तुओं के बारे में जानना चाहता है कि वे सब कहाँ नष्ट हो गई हैं। 2. बच्चों की गेंदें, रंग बिरंगी पुस्तकें, खिलौने आदि कहाँ गए 3. बच्चों की प्रिय वस्तु चॉकलेट कहाँ नष्ट हो गई हैं। 4.उक्त में कोई नहीं	1
	(क) केवल (1)	
	(ख) 1, 3 और 4	
	(ग) केवल (3)	
	(घ) (1) और (2)	
4.	**मदरसे हैं**	1
	(क)महाविद्यालय	
	(ख)विश्वविद्यालय	
	(ग) मुस्लिम प्राथमिक विद्यालय	
	(घ)बोद्ध मठ	
5.	**निम्नलिखित कथनों में सत्य नहीं है**	1
	(क) घरों के आंगन एकाएक नष्ट हो गए	
	(ख) बच्चों की गेंदें अंतरिक्ष में चली गई	
	(ग) रंग - बिरंगी किताबों को दीमक खा गई	
	(घ) काले पहाड़ के नीचे दब गई मदरसों की इमारतें	
	(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	**कवि को बच्चों से क्या छिन जाने की पीड़ा है?** **1. खिलौने** **2. वस्त्र** **3. बचपन** **4. चॉकलेट**	1
	(क) (1) और (2)	
	(ख) 1,2, 3, और 4	
	(ग) केवल (3)	
	(घ) केवल (1)	
7.	**सुबह-सुबह सड़क किससे ढकी है?** **1. पत्तों से** **2. धूल से**	1

	3. कोहरे से **4. पानी से**	
	(क) (1) और (2)	
	(ख) (3)	
	(ग) 1,2, 3, और 4	
	(घ) (1)	
8.	**सारी रंग बिरंगी किताबों को किसने खा लिया है-** **1. सिल्वर फिश ने** **2 दीमक ने** **3. तिल चट्टों ने** **4. चूहों ने**	1
	(क) **(2)**	
	(ख) **(3)**	
	(ग) **3, और 4**	
	(घ) **(1) और (3)**	
9.	**काले पहाड़ के नीचे क्या दब गए हैं?** **1. खिलौने** **2 झूले** **3. बस्ते** **4. विद्यालय**	
	(क) **(1) और (2)**	
	(ख) **1,2, 3, और 4**	
	(ग) केवल **(3)**	
	(घ) **(1)**	
10.	**निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार कीजिए-** कथन- बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान है**?** **कारण-** बच्चों का बचपन छीनकर उन्हें कोई काम करने के लिए बाध्य करना, मानवता के प्रति गंभीर अपराध है। ऐसा करके बच्चों का शोषण करना पाप भी है। इसे मानवता के प्रति एक बड़ा हादसा भी कहा जा सकता है।	
	(क) कथन सत्य और कारण उसकी सही व्याख्या नहीं करता है	
	(ख) कथन असत्य और कारण उसकी सही व्याख्या नहीं करता है	
	(ग) कथन सत्य और कारण उसकी सही व्याख्या करता है	
	(घ) कथन और कारण दोनों असत्य	
	(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	कवि ने कविता में किस सामाजिक-आर्थिक विडंबना की ओर संकेत किया है? कवि क्या चाहता है?	2
	उत्तर:- ----------	

egyanarchive

12.	कवि ने किसे भयानक माना है और इस बात को किस रूप में प्रकट करना चाहता है?	2
	उत्तर:- ----------	
13.	कवि के अनुसार दुनिया किसके बिना अधूरी है? कैसे?	2
	उत्तर:- ----------	
14.	यदि आपके घर में ऐसा कोई बच्चा कार्य कर रहा है तो आप उसके लिए क्या करना चाहोगे?	2
	उत्तर:- ----------	
15.	'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का मूल भाव स्पष्ट करें।	2
	उत्तर:- ----------	

egyanarchive

उत्तरमाला

प्रश्न	दक्षता/उद्देश्य	उत्तर	
		(गद्यांश/काव्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1.	अर्थग्रहण	उत्तर:- (क) (1) और (2)	1
2.	अवबोधात्मक	उत्तर:- (ख) 2, 3 और 4	1
3.	ज्ञानात्मक	उत्तर:- (घ) (1) और (2)	1
4.	अवधारणा	उत्तर:- (ग) मुस्लिम प्राथमिक विद्यालय	1
5.	विषयवस्तु	उत्तर:- (घ) काले पहाड़ के नीचे दब गई मदरसों की इमारतें	1
		(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	विषयवस्तु	उत्तर:- केवल (3)	1
7.	विषयवस्तु	उत्तर:- (ख) (3)	1
8.	अवबोधात्मक	उत्तर:- (क) (2)	1
9.	विषयवस्तु	उत्तर:- (घ) (1)	1
10.	तार्किकता	उत्तर:- (ग) कथन सत्य और कारण उसकी सही व्याख्या करता है	1
		(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	**अवधारणा**	**उत्तर:- (अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** हमारे समाज में व्याप्त निर्धनता ही बच्चों को स्कूल जाने से रोकने की प्रमुख अवरोधक है। आर्थिक दृष्टि से निम्न वर्ग के लोग स्वयं तो मेहनत-मजदूरी करते हैं पर वे अपने साथ छोटे-छोटे बच्चों को भी सहायता के लिए लगा लेते हैं। उनके द्वारा कमाए गए थोड़े से पैसे भी उनके जीवन का आधार बनने लगते हैं। वे उन्हें इसी लालच में पढ़ने के लिए स्कूल नहीं भेजते। वे बच्चों को उचित दिशा नहीं दिखाते। जिन स्थानों पर छोटे-छोटे बच्चे काम करते हैं वहाँ के लोग भी कम पैसों से अधिक काम करवाने की स्वार्थ सिद्धि में आत्मिक प्रसन्नता प्राप्त कर बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित नहीं करते। कवि ने सामाजिक-आर्थिक विडंबना की ओर संकेत करते हुए इसे भयानक माना है और चाहा कि बच्चे शिक्षा प्राप्त करें; खेलें-कूदें और अपने बचपन से दूर न हों।	2
12.	**अवबोधात्मक**	**उत्तर:- (अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** कवि ने छोटे-छोटे बच्चों का पढ़ाई-लिखाई और खेल-कूद छोड़ कर, परिवार की आर्थिक मजबूरी के कारण मेहनत-मज़दूरी के लिए जाना बहुत भयानक माना है। कवि बाल-मज़दूरी की बात समाज के समक्ष एक विकराल प्रश्न रूप में उपस्थित करना चाहता है। वह समाज से पूछना चाहता है कि छोटे बच्चों से इस प्रकार उनका बचपन क्यों छीन लिया गया है?	2
13.	**मूल्य - कर्मशीलता**	**उत्तर:- (अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** कवि के अनुसार दुनिया बच्चों के बचपन के बिना अधूरी है । बच्चों का बचपन तभी खिल सकता है जब बच्चे खेल के मैदान और स्कूलों में विद्या प्राप्ति के लिए दिखाई दे । इस दुनिया का अस्तित्व बच्चों से है, बच्चों की खिलखिलाहट से है। बच्चों के भोलेपन से है, बच्चों की गूंज से है । यदि बच्चों का बचपन ही उन के पास नहीं है तो दुनिया बेजान है, अधूरी है ।	2
14.	**विषय खोजपरकता**	**उत्तर:- (अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** यदि हमारे घर में ऐसा कोई बच्चा कार्य कर रहा है तो उसकी देखभाल भी अपने बच्चों के समान करेंगे। उसकी पढ़ाई के लिए प्रबंध करेंगे। उससे वहीं काम करवा जाएंगे जो उसके उम्र के अनुसार होंगे। उसे खेलते-कूदने का उचित अवसर देंगे। उसके बचपन को पूरा ध्यान रखेंगे। जिससे वह अपना बचपन पूरी तरह जी सके और अपना व्यक्तित्व निखार सके।	2
15.	**अवबोधात्मक**	**उत्तर:- -(अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कवि राजेश जोशी की प्रसिद्ध रचना है। इसमें कवि ने समाज की सामाजिक, आर्थिक विडंबना की ओर	2

		संकेत किया है। आज के भौतिक-वादी युग में मानव मानव से दूर हुआ ही है पर साथ ही उसने बच्चों के बचपन को भी छीन लिया। घर की आर्थिक स्थिति ने बच्चों को खेल-कूद और शिक्षा से दूर कर दिया है। सर्दियों के कोहरे में बच्चे स्कूल और खेलने का मैदान छोड़ कर काम के लिए जा रहे हैं जो आज के समाज के लिए सबसे भयानक बात है। बच्चों के खेल-खिलौने, पुस्तकें नष्ट हो गई हैं क्या? तभी तो बच्चे काम के लिए जा रहे हैं। यदि वास्तव में ऐसा ही है तो दुनिया अधूरी हो जाएगी। दुनिया का अस्तित्व बच्चों के खिल-खिलाते बचपन के साथ है। बच्चों का काम पर जाना बहुत भयानक बात है, इसे रोकना चाहिए। कवि कविता के माध्यम से दुनिया के समाने बाल-मज़दूरी के विषय को रखना चाहता है तथा उनके लिए कुछ करने के लिए दूसरों को प्रेरित करता है।	

egyanarchive